

# राजस्थान में ऊर्जा विकास 2026

Solar, Nuclear, Thermal, Wind Power - संपूर्ण एवं अद्यतन जानकारी

## 1. प्रस्तावना (Introduction)

ऊर्जा, किसी भी राज्य या राष्ट्र के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है। आधुनिक युग में विद्युत संसाधनों का विकास न केवल औद्योगिक प्रगति के लिए, बल्कि कृषि, आधारभूत संरचना और सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए एक अनिवार्य शर्त है।

राजस्थान, जो अपनी विषम भौगोलिक परिस्थितियों और मरुस्थलीय भू-भाग के लिए जाना जाता है, ने पिछले कुछ दशकों में ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। पश्चिमी राजस्थान के भू-गर्भ में छिपे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के विशाल भंडार तथा थार के मरुस्थल में उपलब्ध उच्च सौर विकिरण क्षमता ने राजस्थान को 'पावर डेफिसिट' (ऊर्जा कमी) वाले राज्य से 'पावर सरप्लस' (ऊर्जा अधिशेष) वाले राज्य में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

**June 2026 Update:** राजस्थान की कुल स्थापित विद्युत क्षमता ~60 GW को पार कर चुकी है। सौर ऊर्जा में राजस्थान भारत में प्रथम स्थान पर है। राज्य अब न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भर है, बल्कि अन्य राज्यों को बिजली निर्यात भी कर रहा है।

## 2. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं विकास यात्रा

वर्ष / तिथि	महत्वपूर्ण तथ्य / मील के पत्थर
1947-49	विद्युतीकृत शहर/गांव: मात्र 42
1947-49	कुल स्थापित क्षमता: मात्र 13.27 MW
1 जुलाई 1957	RSEB (राजस्थान राज्य विद्युत बोर्ड) का गठन
19 जुलाई 2000	RSEB भंग → 5 अलग कंपनियों में पुनर्गठन
2011	सौर नीति — सौर नीति घोषित करने वाला भारत का पहला राज्य
2019	सौर क्षमता में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया
मार्च 2026	कुल स्थापित क्षमता ~60 GW

## 3. विद्युत क्षेत्र का संस्थागत ढांचा एवं सुधार

विद्युत क्षेत्र सुधार अधिनियम, 1999 के तहत 1999-2000 को RSEB को भंग करके पाँच विशिष्ट कंपनियों में पुनर्गठित किया गया।

## 19 जुलाई 2000 को गठित पाँच कंपनियाँ:

कंपनी का नाम	संक्षिप्त नाम	मुख्यालय	मुख्य कार्य
राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड	RVUNL	जयपुर	विद्युत उत्पादन (Generation)
राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड	RVPNL	जयपुर	उच्च वोल्टेज पारेषण (Transmission)
जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड	JVVNL	जयपुर	जयपुर क्षेत्र में वितरण
अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड	AVVNL	अजमेर	मध्य राजस्थान वितरण
जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड	JdVVNL	जोधपुर	पश्चिमी राजस्थान वितरण

## राजस्थान विद्युत नियामक आयोग (RERC)

विवरण	जानकारी
स्थापना	2 जनवरी 2000
मुख्यालय	जयपुर
प्रमुख कार्य	टैरिफ निर्धारण, लाइसेंस, उपभोक्ता संरक्षण

- **निजी क्षेत्र की भागीदारी:** भरतपुर, बीकानेर और कोटा में Franchise Model के तहत निजी वितरण कंपनियाँ कार्यरत हैं (KEDL — कोटा)।
- **राजस्थान ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (RUVNL):** वर्ष 2015 में स्थापित। यह तीनों Discoms की ओर से बिजली खरीद-बिक्री (Power Trading) का कार्य करती है।
- **राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा निगम लिमिटेड (RRECL):** नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं एवं ग्रीन हाइड्रोजन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्यरत।

## 4. ऊर्जा परिदृश्य — नवीनतम आँकड़े (June 2026)

- सबसे अद्यतन डेटा — MNRE, CEA और आर्थिक समीक्षा 2025-26 के अनुसार:

विवरण	आंकड़ा (जून 2026)
कुल स्थापित क्षमता (मार्च 2026)	~60,000 MW (~60 GW)
नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता (FY 2026)	~46.6 GW
सौर ऊर्जा क्षमता (मई 2026)	<b>42.17 GW — भारत में प्रथम</b>
पवन ऊर्जा क्षमता	~5,200 MW (5.2 GW)
उपभोक्ता संख्या	200 लाख+ (नए कनेक्शन जारी)
ग्रामीण विद्युतीकरण	शत-प्रतिशत
राज्य की भारत कुल सौर में हिस्सेदारी	~27% (भारत कुल: 157 GW, मई 2026)

## ऊर्जा स्रोतों की भागीदारी (जून 2026):

स्रोत	हिस्सेदारी	नोट
सौर ऊर्जा (Solar)	~50%+	कुल capacity का सबसे बड़ा हिस्सा
तापीय ऊर्जा (Thermal)	~30-35%	Coal + Lignite + Gas
पवन ऊर्जा (Wind)	~8-9%	5.2 GW
परमाणु + हाइड्रो	शेष	RAPP 1880 MW (Unit 7 जुड़ा)

⚡ **ऐतिहासिक बदलाव:** FY2022 में नवीकरणीय क्षमता ~17 GW थी, जो FY2026 में 46+ GW हो गई — महज 4 वर्षों में 270% से अधिक वृद्धि।

## 5. ऊर्जा संसाधनों का वर्गीकरण

ऊर्जा संसाधन |— परंपरागत (Conventional) — अनवीकरणीय | |— कोयला / लिग्नाइट | |— पेट्रोलियम / गैस | |— परमाणु ऊर्जा | |— जल विद्युत (बड़े बांध) | |— गैर-परंपरागत (Non-Conventional) — नवीकरणीय |— सौर ऊर्जा ★ (42 GW - देश में प्रथम) |— पवन ऊर्जा (5.2 GW) |— बायोमास / बायोगैस |— ग्रीन हाइड्रोजन ★ (नया उभरता क्षेत्र) |— BESS - Battery Energy Storage (नई तकनीक)

- **सर्वाधिक उत्पादन:** अब सौर ऊर्जा — क्षमता में thermal को पीछे छोड़ दिया।
- **सर्वाधिक संभावना:** सौर ऊर्जा — 142 GW+ (MNRE)।
- **भविष्य का स्तंभ:** ग्रीन हाइड्रोजन — 2030 तक 2000 KTPA लक्ष्य।

## 6. परंपरागत ऊर्जा स्रोत — विस्तृत विश्लेषण

### (A) तापीय ऊर्जा (Thermal Power)

**लिग्नाइट की समस्या:** राज्य में उपलब्ध लिग्नाइट में carbon प्रतिशत 30-35% (कम) है, सल्फर की मात्रा अधिक है तथा ज्वलन क्षमता (Calorific Value) काफी कम है।

**समाधान:** बड़े सुपर क्रिटिकल प्लांट बाहरी राज्यों (छत्तीसगढ़, ओडिशा) के बिटुमिनस कोयले पर निर्भर हैं।

#### (i) सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर प्लांट (SSTPS)

स्थिति	ठुकराना गाँव, सूरतगढ़ (जिला: श्रीगंगानगर)
उपनाम	"राजस्थान का आधुनिक विकास तीर्थ"
विशेषता	राजस्थान का पहला सुपर थर्मल पावर प्लांट
चरण 1-4	$250 \text{ MW} \times 6 = 1500 \text{ MW}$
सुपर क्रिटिकल	$660 \text{ MW} \times 2 = 1320 \text{ MW}$ (7वीं-8वीं इकाई)
कुल क्षमता	<b>2820 मेगावाट (राज्य का सबसे बड़ा थर्मल केंद्र)</b>

#### (ii) कोटा सुपर थर्मल पावर प्लांट (KSTPS)

स्थिति	कोटा बैराज के पास (चंबल नदी किनारे)
विशेषता	राज्य का दूसरा सबसे बड़ा थर्मल प्लांट
कुल क्षमता	1240 MW

#### (iii) छाबड़ा थर्मल पावर प्लांट (CTPP)

स्थिति	मोतीपुरा चौकी, छाबड़ा (जिला: बारां)
विशेषता	राजस्थान का प्रथम सुपर क्रिटिकल तकनीक आधारित प्लांट
चरण 1	$250 \text{ MW} \times 4 = 1000 \text{ MW}$
चरण 2	$660 \text{ MW} \times 2 = 1320 \text{ MW}$ (सुपर क्रिटिकल)
कुल क्षमता	2320 MW

\* सुपर क्रिटिकल तकनीक: कम ईंधन में अधिक बिजली + कम प्रदूषण

#### (iv) कालीसिंध थर्मल पावर स्टेशन

स्थिति	झालावाड़
क्षमता	1200 MW (600 MW × 2)

#### (v) अन्य प्रमुख लिग्नाइट-आधारित संयंत्र:

संयंत्र	स्थान	विशेषता	क्षमता
गिरल लिग्नाइट पावर प्लांट	बाड़मेर	प्रथम लिग्नाइट गैसीकरण तकनीक, जर्मनी सहयोग	250 MW
बरसिंगसर थर्मल पावर	बीकानेर	NLC (केंद्र सरकार) संचालित	—
JSW बाड़मेर (भादरेश)	बाड़मेर	निजी क्षेत्र	1080 MW
कवाई पावर प्लांट	बारां	अडानी समूह	1320 MW

#### (B) बांस आधारित विद्युत परियोजनाएं / गैस परियोजनाएं

संयंत्र	स्थान	विशेषता	क्षमता
रामगढ़ गैस थर्मल पावर	जैसलमेर	राजस्थान का प्रथम गैस-आधारित संयंत्र	~273.5 MW
धौलपुर CCPS	धौलपुर	नेफ्था + गैस दोनों पर आधारित	330 MW (110×3)
अंता	बारां	NTPC (केंद्र सरकार) द्वारा संचालित	—

#### (C) परमाणु ऊर्जा — राजस्थान अणु शक्ति परियोजना (RAPP)

 **June 2026 Latest Update:** RAPP यूनिट 7 अब पूरी तरह चालू (Operational) है!

स्थिति	रावतभाटा, चित्तौड़गढ़ (चंबल नदी किनारे)
स्थापना	1973 — कनाडा के सहयोग से
भारत में स्थान	भारत का दूसरा परमाणु संयंत्र (तारापुर, महाराष्ट्र के बाद)
तकनीक	PHWR (Pressurised Heavy Water Reactor) — भारत में प्रथम

## RAPP इकाइयों की वर्तमान स्थिति (जून 2026):

इकाई	क्षमता	स्थिति
यूनिट 1	100 MW	कार्यरत
यूनिट 2	200 MW	कार्यरत
यूनिट 3-6	220 × 4 MW	कार्यरत
यूनिट 7	700 MW	✅ पूर्ण चालू — 10 फरवरी 2026 को 700 MW पर Rated Power
यूनिट 8	700 MW	🔄 Commissioning चरण में (2026 में चालू अपेक्षित)
कुल (7 इकाइयाँ)	~1880 MW	—

🔴 **परीक्षा महत्वपूर्ण:** यूनिट 7 सितंबर 2024 में पहली बार Critical हुई, मार्च 2025 में Grid से जुड़ी और 10 फरवरी 2026 को पूर्ण 700 MW क्षमता पर आई। यूनिट 8 2026 के अंत तक चालू होने की उम्मीद है।

**बांसवाड़ा (माही) परियोजना:** नापला/दानपुर क्षेत्र, बांसवाड़ा में स्थित यह राजस्थान का दूसरा प्रस्तावित परमाणु संयंत्र है। इसकी प्रस्तावित क्षमता 700 MW × 4 = 2800 MW है।

## (D) जल विद्युत (Hydro-Electric Power)

परियोजना	भागीदारी	क्षमता
राणा प्रताप सागर बांध (चित्तौड़गढ़)	राजस्थान + मध्यप्रदेश (50:50)	172 MW
जवाहर सागर बांध (कोटा)	राजस्थान + मध्यप्रदेश	99 MW
माही बजाज सागर	राजस्थान + गुजरात	140 MW (100% हिस्सा राजस्थान को)
भाखड़ा नांगल	बहु-राज्यीय	निश्चित हिस्सेदारी
व्यास परियोजना	बहु-राज्यीय	निश्चित हिस्सेदारी

## 7. गैर-परंपरागत / नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत

### (A) सौर ऊर्जा — सूर्य नगरी की शक्ति ☀️

कारक	विवरण
धूप के दिन	वर्ष में 325+ दिन
सौर विकिरण	6-7 kWh/m <sup>2</sup> /day — देश में सर्वाधिक
सौर क्षमता (Potential)	142 GW+ (MNRE के अनुसार)
स्थापित क्षमता (मई 2026)	<b>42.17 GW — भारत में प्रथम</b>
भारत की कुल सौर में हिस्सा	~27% (India total: 157 GW)
वर्तमान रैंकिंग	भारत में #1 (कर्नाटक, तेलंगाना को पीछे छोड़ा)

#### नीतिगत प्रयास:

- **2011:** सौर नीति घोषित करने वाला भारत का पहला राज्य।
- **राजस्थान सौर ऊर्जा नीति-2019:** वर्तमान में प्रभावी रूप से लागू।
- **राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा नीति-2023:** लागू।
- **राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024 (ICEP-2024):** 2029-30 तक 125 GW का व्यापक लक्ष्य।

#### प्रमुख सौर पार्क:

सौर पार्क	जिला	विशेषता	क्षमता
भादला सोलर पार्क	जोधपुर	विश्व का सबसे बड़ा सोलर पार्क, 5700 हेक्टेयर, 4 चरण	2245 MW
भादला (NTPC Green Energy)	जोधपुर	2026 में नई 300+125 MW क्षमता जोड़ी गई	425 MW (नई)
नोख सोलर पार्क	जैसलमेर	RVUNL द्वारा विकसित	925 MW
फतेहगढ़ सोलर पार्क	जैसलमेर	निजी परियोजना	—
फलोदी-पोकरण	जैसलमेर-जोधपुर	संयुक्त विकास	—

● **June 2026 Update — भादला BESS:** RSDCL (Rajasthan Solarpark Development Company Ltd.) ने भादला पार्क में Battery Energy Storage System (BESS) स्थापित करने के लिए EOI जारी किया है। यह 680 MW की grid connectivity को रात्रि में उपयोग करेगा, जिससे सोलर ऊर्जा का भंडारण और 24x7 आपूर्ति संभव होगी।

#### परीक्षा उपयोगी महत्वपूर्ण तथ्य:

- **SEEZ (Solar Energy Enterprising Zone):** जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर जिले शामिल हैं।

- **प्रथम सौर संयंत्र:** मथानिया (जोधपुर) | **प्रथम सौर फ्रिज:** बालेसर (जोधपुर)।
- **निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट:** खींवसर (नागौर)।
- **अमेज़न का निवेश:** एम्प एनर्जी के साथ मिलकर राज्य में 420 MW के 3 सौर फार्म स्थापित किए हैं।

### प्रमुख सौर योजनाएं:

- **PM-KUSUM योजना:** किसानों को सोलर पंप + बंजर भूमि पर सौर संयंत्र लगाने में सहायता। राजस्थान देश में क्रियान्वयन में प्रथम।
- **रूफटॉप सोलर:** घरों की छतों पर सब्सिडी सहित सोलर पैनल स्थापना।
- **PM Surya Ghar Muft Bijli Yojana (2024):** रूफटॉप सोलर से 300 यूनिट/माह मुफ्त बिजली प्रदान करने का राष्ट्रीय लक्ष्य।

## (B) पवन ऊर्जा (Wind Energy) 🌬️

प्रथम पवन ऊर्जा नीति	18 जुलाई 2012
नवीनतम नीति	राजस्थान विंड एंड हाइब्रिड Energy पॉलिसी-2019
पवन क्षमता (100 मीटर पर)	~18,770 MW (NIWE के अनुसार)
स्थापित क्षमता (जून 2026)	~5,200 MW (5.2 GW)
देश में स्थान	शीर्ष 5 राज्यों में शामिल

### प्रमुख पवन ऊर्जा संयंत्र:

- **अमर सागर (जैसलमेर):** राज्य का प्रथम पवन ऊर्जा संयंत्र (1999 में स्थापित)।
- **देवगढ़ (प्रतापगढ़):** राज्य का दूसरा प्रमुख केंद्र।
- **सोढ़ा बंधन व बड़ा बाग (जैसलमेर):** निजी क्षेत्र एवं विस्तृत पवन चक्की क्षेत्र।

## (C) बायोमास और बायोगैस (Biomass & Biogas) 🌱

- **कच्चा माल:** विलायती बबूल, चावल की भूसी, सरसों की तूड़ी, जूली फ्लोरा।
- **कार्यरत संयंत्र:** 13 से अधिक सक्रिय संयंत्र (कुल क्षमता ~125.08 MW)।
- **प्रमुख केंद्र:** पदमपुर (श्रीगंगानगर — राज्य का प्रथम बायोमास संयंत्र), हनुमानगढ़ और कोटा।
- **बायोगैस में अग्रणी जिले:** उदयपुर और जयपुर (पशुपालन की अधिकता के कारण)।

## 8. उभरती ऊर्जा तकनीकें — June 2026

### (A) ग्रीन Hydrogen (Green Hydrogen) 🟢 — भविष्य का ईंधन

राजस्थान ने ग्रीन हाइड्रोजन को ऊर्जा क्षेत्र के अगले महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में अपनाया है।

नीति	राजस्थान ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2023
उत्पादन लक्ष्य (2030)	2000 KTPA (किलो-टन प्रति वर्ष)
नोडल एजेंसी	RRECL (राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा निगम)
इंफ्रास्ट्रक्चर विकास	Green Hydrogen Parks, Hubs, Clusters, Valleys
Electrolyzer Giga-factory	कम से कम एक Giga-factory स्थापित करने का राज्य का लक्ष्य

**प्रमुख प्रोत्साहन:** Wheeling & Transmission charges में 100% छूट; Banking charges में 7-10 वर्ष तक छूट; RIPS-2024 के तहत Thrust Sector का दर्जा; Fertilizer और Refinery उद्योगों को आपूर्ति के लिए "Green Hydrogen Valley" का विकास।

## (B) बैटरी ऊर्जा भंडारण (Battery Energy Storage System — BESS)

सौर और पवन ऊर्जा की intermittency (रात को धूप न होना, हवा न चलना) का समाधान BESS तकनीक है।

- भादला BESS प्रोजेक्ट:** 680 MW की grid capacity का रात्रि उपयोग सुनिश्चित करने हेतु EOI (Expression of Interest) जारी किया गया है।
- महत्व:** यह दिन की अतिरिक्त सौर ऊर्जा को रात के लिए भंडारित करेगा, जिससे 24×7 निरंतर हरित ऊर्जा आपूर्ति संभव होगी।

## (C) एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024 (ICEP-2024) — Master Plan

लक्ष्य श्रेणी	विवरण (2029-30 तक का महत्वाकांक्षी लक्ष्य)
कुल नवीकरणीय लक्ष्य	125 GW तक पहुँचना
सौर ऊर्जा लक्ष्य	90 GW
पवन + हाइब्रिड लक्ष्य	25 GW
हाइड्रोजन + BESS लक्ष्य	10 GW
Green Energy Cities	सभी प्रमुख जिला मुख्यालयों को "हरित ऊर्जा शहर" के रूप में विकसित करना

## 9. ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर (Green Energy Corridor)

- रूट:** जैसलमेर → बाड़मेर → जोधपुर।
- उद्देश्य एवं महत्व:** सुदूर मरुस्थलीय क्षेत्रों में उत्पादित सौर-पवन ऊर्जा को राष्ट्रीय ग्रिड से जोड़ना, Transmission losses को न्यूनतम करना और अन्य राज्यों को ऊर्जा निर्यात सुगम बनाना।

## 10. सामाजिक कल्याण से जुड़ी ऊर्जा योजनाएं

योजना का नाम	मुख्य विवरण एवं अद्यतन (June 2026)
मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना	घरेलू उपभोक्ताओं के लिए <b>150 यूनिट/माह मुफ्त</b> (2025-26 Green Budget में इसे 100 से बढ़ाकर 150 किया गया)। किसानों के लिए 2000 यूनिट/वर्ष तक मुफ्त बिजली।
PM Surya Ghar Yojana	Rooftop Solar के माध्यम से उपभोक्ताओं को 300 यूनिट/माह मुफ्त बिजली प्रदान करने का लक्ष्य।
सौभाग्य योजना	राज्य में शत-प्रतिशत ग्रामीण विद्युतीकरण का लक्ष्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।
DDUGJY	कृषि और घरेलू फीडर का पृथक्कीकरण सुचारू रूप से पूर्ण।
PM-KUSUM	किसानों को सौर पंप आवंटन और बंजर भूमि पर संयंत्र लगाकर किराया आय देने में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर।
Vibrant Village Programme-II	नवीनतम बजट 2025-26 के तहत राज्य के 184 सीमावर्ती गांवों में On-Grid Electrification का कार्य जारी।

## 11. निष्कर्ष (Conclusion)

निष्कर्षतः, राजस्थान ने ऊर्जा के क्षेत्र में जो यात्रा 1947 में 13.27 मेगावाट से शुरू की थी, वह जून 2026 में ~60,000 मेगावाट (~60 GW) तक पहुँच गई है — यह 4,500 गुना से अधिक की अभूतपूर्व वृद्धि है। राज्य ने अपनी प्राकृतिक चुनौतियों — मरुस्थल और पानी की कमी — को ही अपनी सबसे बड़ी शक्ति में बदल दिया है।

- ⚡ सूरतगढ़ और छाबड़ा — बेस लोड संभाल रहे हैं
- ☀️ भादला — विश्व का सबसे बड़ा सोलर पार्क
- ⚙️ RAPP यूनिट 7 — 10 फरवरी 2026 को पूर्ण चालू
- 🌱 ग्रीन हाइड्रोजन — अगली ऊर्जा क्रांति की ओर कदम
- 🔋 BESS — 24x7 निरंतर हरित ऊर्जा का सपना साकार

ICEP-2024 के तहत 2029-30 तक 125 GW नवीकरणीय ऊर्जा का संशोधित लक्ष्य यह सुनिश्चित करता है कि राजस्थान आने वाले दशक में संपूर्ण भारत की '**ऊर्जा राजधानी**' (Power House of India) बनकर उभरेगा।



## Quick Revision — परीक्षा उपयोगी एक नज़र में (June 2026)

महत्वपूर्ण तथ्य	अद्यतन उत्तर / स्थिति
RSEB गठन / विघटन	1 जुलाई 1957 / 19 जुलाई 2000
RERC / RUVNL स्थापना	2 जनवरी 2000 / वर्ष 2015
कुल स्थापित क्षमता (मार्च 2026)	<b>~60 GW (60,000 MW)</b>
सौर क्षमता (मई 2026)	42.17 GW — भारत में प्रथम (#1)
FY2022 से FY2026 RE वृद्धि	17 GW → 46 GW (270% से अधिक उछाल)
राज्य का सबसे बड़ा थर्मल प्लांट	सूरतगढ़ (SSTPS) — 2820 MW
प्रथम सुपर क्रिटिकल तकनीक संयंत्र	छाबड़ा (CTPP) — 2320 MW
RAPP यूनिट 7 पूर्ण चालू तिथि	<b>10 फरवरी 2026 (700 MW)</b>
RAPP कुल परिचालन क्षमता (7 इकाई)	~1880 MW
विश्व का सबसे बड़ा सोलर (PV) पार्क	भादला, जोधपुर (2245 MW)
भादला नई BESS परियोजना	680 MW क्षमता — EOI 2026
ICEP-2024 लक्ष्य (2029-30)	125 GW नवीकरणीय क्षमता
ग्रीन हाइड्रोजन लक्ष्य (2030)	2000 KTPA उत्पादन
प्रथम पवन / बायोमास / गैस संयंत्र	अमर सागर (1999) / पदमपुर / रामगढ़
SEEZ के अंतर्गत आने वाले जिले	जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर
घरेलू निःशुल्क बिजली सीमा	150 यूनिट/माह (सत्र 2025-26 से)
बांसवाड़ा परमाणु संयंत्र (प्रस्तावित)	700 MW × 4 = 2800 MW